M. M. Kuzhiveli

Mathew M. Kuzhiveli was born on 20 April, 1905 at Pala, in the Kottayam District of Kerala. He completed his primary and secondary education at his native place. Thereafter, he completed the higher secondary education in St. Berchmans College, Changanacherry and St. Xavier's College Palayamcotta. After graduation, he acquired the L.T. Degree from the Government Training College, Thiruvananthapuram. The initial stint of teacher-ship was in various schools in his native place, Pala. He was the first Principal of Training School, Pala. Thereafter, he shifted his workspace to Thiruvananthapuram. He was appointed as Deputy Superintendent in the erstwhile Travancore University, now University of Kerala. He also worked as Text Book Officer of the State, Member of Text Book Committee formed by Government, Senator of University of Kerala & Convenor of different Committees on Education. He retired from service in the year 1962 as the Director of Publications Department, University of Kerala.

After shifting his sphere of activities to Thiruvananthapuram, M. M. Kuzhiveli published many periodicals, both in Malayalam and English. Under his editorship and ownership, the magazines like School Master, Balan Magazine, Vijanam (Knowledge), Neethi (Justice), Kuzhiveli Pathrika were published from Thiruvananthapuram. English weekly named "Trivandrum Letters" was also published during that time. Apart from educational books, Kuzhiveli wrote original books and translations during his career.

Though some books existed in children's literature earlier in Malayalam, he brought in texts which were suited to different age groups of children based on their psychological growth and educational background. This was a pioneering attempt in the field of education. He published more than 300 books in Children's literature through his publishing house named "Balan Publications". Of these, he wrote 70 himself. These books were instrumental in enlightening the young minds with patriotism, respect for teachers, love for parents and above all their character formation. He also familiarized the young minds with other forms of literature like novels, drama, poetry, travelogue, world literature in a simple, narrative and imaginative way.

Another field in which Kuzhiveli made significant contributions was scientific literature through the publication of Malayalam Encyclopedia. He published the "Vijganam Encyclopedia" in 1974 in eight volumes with more than 10000 pages and more than 2000 pictures. Starting in 1956, he completed this herculean task after 18 years of strenuous efforts. He spent all his earnings and utilized his knowledge for bringing out this Encyclopedia in which the common man evinced interest.

Mathew M. Kuzhiveli passed away on 27 October, 1974.

Department of Posts is pleased to release a Commemorative Postage Stamp on M. M. Kuzhiveli.

Credits :

Stamp/ FDC/ Brochure/ Cancellation Cachet	:	Smt. Alka Sharma
Text	:	Based on information received from the proponent

भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India

एम. एम. कुज़ीवेली
M. M. KUZHIVELI

विवरणिका BROCHURE

एम. एम. कुझीवेली

मैथ्यू एम. कुझीवेली का जन्म 20 अप्रैल, 1905 को केरल राज्य के कोट्टायम जिले के पाला में हुआ था। उन्होंने अपने जन्म स्थान पर अपनी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पूरी की। तत्पश्चात, उन्होंने सेंट बर्चमेंस कॉलेज, चंगनाचेरी और सेंट जेवियर्स कॉलेज पालयमकोटा से उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पूरी की। स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद, उन्होंने गवर्नमेंट ट्रेनिंग कॉलेज, तिरुवनंतपुरम से एल. टी. की डिग्री प्राप्त की। उनके शिक्षक जीवन के प्रारंभिक दिन अपने गृह निवास पाला के विभिन्न विद्यालयों में व्यतीत हुये। वे पाला स्थित प्रशिक्षण विद्यालय के प्रथम प्रधानाचार्य थे। इसके पश्चात उन्होंने तिरुवनंतपुरम को अपना कार्य स्थल बना लिया। वे पूर्ववर्ती त्रावणकोर विश्वविद्यालय, जो अब केरल विश्वविद्यालय है, के उप–अधीक्षक नियुक्त हुये। उन्होंने राज्य के पाठ्य पुस्तक अधिकारी, सरकार द्वारा गठित पाठ्य पुस्तक समिति के सदस्य, केरल विश्वविद्यालय के सीनेटर और शिक्षा पर विभिन्न समितियों के संयोजक के रूप में कार्य भी किया। वे वर्ष 1962 में प्रकाशन विभाग, केरल विश्वविद्यालय के निदेशक के तौर पर सेवानिवृत्त हुए ।

मैथ्यू एम. कुझीवेली ने अपने कार्यक्षेत्र को तिरुवनंतपुरम में स्थानांतरित करने के बाद मलयालम और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में अनेक पत्रिकाओं का प्रकाशन किया। अपने संपादकत्व एवं स्वामित्व के अंतर्गत उन्होंने तिरुवनंतपुरम से स्कूल मास्टर, बालन पत्रिका, विज्ञानम (ज्ञान), नीति (न्याय), कुझीवेली पत्रिका आदि का प्रकाशन किया। अंग्रेजी साप्ताहिक 'त्रिवेंद्रम लेटर्स' का प्रकाशन भी उसी दौरान हुआ। शैक्षणिक पुस्तकों के अलावा मैथ्यू एम. कुझीवेली ने अपने कार्यकाल के दौरान कई मूल पुस्तकें लिखीं और कई पुस्तकों का अनुवाद भी किया।

यद्यपि मलयालम भाषा में बच्चों के साहित्य से जुड़ी कुछ पुस्तकें पहले से मौजूद थीं, फिर भी उन्होंने ऐसी पाठ्य पुस्तकों का प्रकाशन किया जो विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों के अनुकूल थीं और उनके मनोवैज्ञानिक विकास और शैक्षिक पृष्ठभूमि पर आधारित थी। यह शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी प्रयास था। उन्होंने अपने प्रकाशन संस्थान "बालन प्रकाशन" से बाल साहित्य के लिए 300 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित कीं। इनमें से 70 पुस्तकें स्वयं उनके द्वारा लिखी गई थीं। इन पुस्तकों ने युवाओं में देशभक्ति, शिक्षकों के प्रति सम्मान, अभिभावकों के प्रति स्नेह की भावना जागृत करने और इन सबसे ऊपर चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैथ्यू एम कुझीवेली ने युवाओं के मन–मस्तिष्क को एक सरल, विवरणात्मक और कल्पनात्मक ढंग से उपन्यास, नाटक, कविता, यात्रा वृत्तांत, विश्व साहित्य से परिचय कराया।

एक अन्य क्षेत्र, जिसमें कुझीवेली ने महत्वपूर्ण योगदान दिया वह था मलयालम विश्वकोश के प्रकाशन के माध्यम से वैज्ञानिक साहित्य का प्रकाशन। इसके लिए उन्होने वर्ष 1974 में "विज्ञानम इनसाइक्लोपीडिया" को आठ खंडों में 10000 से अधिक पृष्ठों और 2000 से अधिक चित्रों के साथ प्रकाशित किया। 1956 में आरंभ कर इस बृहत्कार्य को, उन्होंने 18 वर्ष के कठिन परिश्रम के पश्चात पूर्ण किया। उन्होंने इस विश्वकोश को साकार रूप देने में अपनी सम्पूर्ण कमाई, संसाधनों और ज्ञान का उपयोग किया ताकि एक आम आदमी भी इन विषयों में अपनी रुचि बढ़ा सके।

27 अक्तूबर, 1974 को मैथ्यू एम. कुझीवेली का निधन हो गया।

डाक विभाग, एम. एम. कुझीवेली पर एक स्मारक डाक टिकट को जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :

डाक टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका / विरूपण कैशे : श्रीमती अलका शर्मा

पाठ : प्रस्तावक से प्राप्त सूचना पर आधारित

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्य वर्ग	:	500 पैसे
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक टिकटें	:	301090
Stamps Printed	:	301090
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्यः ₹ 5.00